

शिक्षा में गुणवत्ता को सिस्टम पर जोर जागरण ब्यूरो, पटना : शिक्षा मंत्री पीके शाही ने कहा कि विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक बदलाव सबसे बड़ी चुनौती है। इससे निबटने के लिए शिक्षा विभाग द्वारा जिला एवं प्रखंड से लेकर विद्यालय तक सिस्टम बिल्डिंग को प्राथमिकता दी जाएगी। डीईओ, डीपीओ और बीईओ को मोबाइल मिलेगी। डीईओ एवं डीपीओ को वाहन भी दिए जाएंगे। वे शैक्षिक गुणवत्ता के मसले पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में सभी 38 जिलों के शिक्षा एवं कार्यक्रम अधिकारियों ने फील्ड एक्सपीरियंस को खुलकर शेयर किया। मंत्री के अनुसार कार्यशाला में जो सुझाव आए हैं, उसके आकलन एवं संकलन हेतु प्रधान सचिव के निर्देशन में एक उच्चस्तरीय कमेटी गठित होगी। प्रधान सचिव अमरजीत सिन्हा ने कहा कि पब्लिक सिस्टम एवं उसके सपोर्ट से ही शिक्षा में गुणात्मक बदलाव किया जा सकता है। स्कूलों में नियमित निरीक्षण को प्राथमिकता दें। कार्यशाला को बिहार शिक्षा परियोजना के राज्य परियोजना निदेशक राहुल सिंह, माध्यमिक शिक्षा निदेशक कमल किशोर सिन्हा, संयुक्त सचिव आरएस सिंह, बिहार शैक्षणिक आधारभूत संरचना निगम के प्रबंध निदेशक संजीवन सिन्हा, बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन निगम के प्रबंध निदेशक जेकेपी सिंह, उपनिदेशक अजीत कुमार और वन एवं पर्यावरण विभाग के मुख्य वन संरक्षक एसएस चौधरी ने संबोधित किया।

निजता नीति | सेवा की शर्तें | आपके सुझाव
 इस पृष्ठ की सामग्री जागरण प्रकाशन लिमिटेड द्वारा प्रदान की गई है
 कॉपीराइट © 2007 याहू वेब सर्विसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सर्वाधिकार सुरक्षित
 कॉपीराइट / IP नीति